हिन्दी दैनिक

इंडिया वार्ता

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

आत्मिक वाणी

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधिकाधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनकों अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

स्कूलों में बच्चों को पाठ्यचर्या में श्रीमद्.. 8

वर्ष : 14 अंक : 253 देहरादून, बुधवार 07 मई 2025 शुल्क : पचास पैसे पृष्ठ संख्या : 08

मुख्यमंत्री ने किए विभिन्न पदों पर नियुक्त 139 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित

उच्च शिक्षा विभाग में 52 पदों पर तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग में 87 पदों पर दी गई नियुक्ति

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। उच्च शिक्षा एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत विभिन्न पदों पर नियुक्त 139 अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने नियुक्ति पत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने के राज्य सरकार के विकल्प रहित संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता एवं ईमानदारी से जुटने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में अब नौकरियां सिर्फ और सिर्फ योग्यता, प्रतिभा व क्षमता के आधार पर मिल रही है। प्रतियोगिता परीक्षाओं को निष्पक्षता व ईमानदारी से संपन्न कराया जा रहा है। इसी का नतीजा है कि साढ़े तीन वर्षों के दौरान राज्य में विभिन्न सेवाओं में नियुक्ति पाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या अब तेईस हजार के आंकड़े को पार करने वाली है।

मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत असिस्टेंट प्रोफेसर के 52 पदों पर लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों के साथ ही चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत मेडिकल कॉलेजों के 18 प्रोफेसर्स व 36 एसोसिएट प्रोफसर्स और नर्सिंग कॉलेजों में ट्यूटर व मेडिकल सोशल वर्कर के 33 पदों पर चिकित्सा सेवा चयन

– शेष पृष्ठ 7 पर ...

राज्य कर्मचारियों को डीए देने का आदेश जारी

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। उत्तराखंड शासन ने राज्य कर्मचारियों और पेंशनरों को बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता (डीए) देने का आदेश जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को डीए में दो प्रतिशत बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। बढ़ा हुआ भत्ता एक जनवरी 2025 से लागू होगा । पहली जुलाई से कर्मचारियों व पेशनरों को 53 प्रतिशत की दर से प्रतिमाह महंगाई भत्ता का भुगतान हो रहा था। अपर सचिव वित्त अमिता जोशी के आदेश के मुताबिक अब उन्हें 55 प्रतिशत प्रतिमाह की दर से डीए का भुगतान किया जाएगा। यह लाभ राज्य सरकार और राज्य कर्मचारियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं तथा शहरी स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्य प्रभारित कर्मचारियों तथा यूजीसी वेतनमानों में कार्यरत पदधारकों को मिलेगा। ये आदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों, उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष, सदस्यों तथा सार्वजनिक उपक्रम आदि के कर्मचारियों पर खुद लागू नहीं होगा। उनके संबंध में उनसे जुड़े विभाग अलग से आदेश जारी करेंगे। कर्मचारियों व पेंशनरों को पहली जनवरी, 2025 से 30 अप्रैल 2025 तक के पुनरीक्षित मंहगाई भत्ते के अवशेष (एरियर) का भुगतान नकद किया जाएगा। एक मई, 2025 से मंहगाई भत्ते का भुगतान नियमित रूप से वेतन के साथ शामिल कर किया जाएगा, लेकिन अंशदायी पेंशन योजना से आच्छादित कार्मिकों के पेंशन अंशदान तथा उतनी ही धनराशि नियोक्ता के अंश के साथ नई पेंशन योजना से संबंधित खाते में जमा की जाएगी तथा शेष धनराशि नगद भुगतान की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं मुख्यमंत्री धामी ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट में "हाउस ऑफ हिमालयाज" के स्टोर का किया शुभारंभ

हाउस आफ हिमालयाज के प्रमोशन और अन्य कामों के लिए भारत सरकार, उत्तराखंड में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाएगी : केंद्रीय मंत्री

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। अब देश – विदेश से उत्तराखंड आने वाले सैलानियों को एयरपोर्ट में ही उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों पर आधारित हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद मिल सकेंगे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को जौलीग्रांट एयरपोर्ट, देहरादून में 卐हाउस ऑफ हिमालयाज卐 स्टोर का शुभारंभ किया। इस स्टोर के खुलने से राज्य के स्थानीय उत्पादों को नई पहचान मिलेगी एवं स्थानीय उत्पादों की बिक्री से राज्य की आर्थिकी भी सशक्त होगी।

राज्य सरकार को इस सराहनीय प्रयास के लिए बधाई देते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उत्तराखंड सरकार के अथक प्रयासों से हाउस ऑफ हिमालयाज के स्टोर विभिन्न एयरपोर्ट में खोले जाने से उत्तराखंड के इस अंब्रेला ब्रांड को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा इन उत्पादों गुणवत्ता, पैकेजिंग और ब्रांडिंग भी सर्वश्रेष्ठ है। हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पादों का लाभ उत्तराखंड के साथ देश को भी मिलेगा। उन्होंने कहा हाउस आफ हिमालयाज के प्रमोशन और अन्य कामों के लिए भारत सरकार, उत्तराखंड में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाएगी। इनसे एक ओर जहां गुणवत्तापूर्ण उत्पाद आम लोगों को मिलेंगे वहीं दूसरी ओर किसानों को भी इसका लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हाउस ऑफ हिमालयाज के स्टोर खुलने से राज्य के उत्पादों को नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा यह स्टोर राज्य के किसानों, कारीगरों, महिलाओं और छोटे उद्यमियों के परिश्रम और हुनर का भी प्रतीक है। स्थानीय उत्पाद राज्य की संस्कृति, परंपरा और पहचान का भी हिस्सा हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाउस ऑफ हिमालयाज का शुभारंभ किया था। आत्मनिर्भर उत्तराखंड की भावना को साकार करने के लिए राज्य सरकार स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दे रही। इससे स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलने के साथ अर्थव्यवस्था भी मजबूत हो रही हैं। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, सचिव राधिका झा, अपर सचिव अनुराधा पाल, अपर सचिव मनुज गोयल, अपर आयुक्त ग्राम्य विकास राजेन्द्र सिंह रावत, मुख्य अभियन्ता वी.वी.एस रावत, अधीक्षण अभियन्ता अनिल कुमार एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

प्यार के झांसे में युवती से दुष्कर्म

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। देहरादून की युवती ने बिहार के एक युवक पर प्यार का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि युवक ने दुष्कर्म करने के बाद वीडियो बनाया और उसके बाद से लगातार ब्लैक मेल कर रहा है। पीडिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने माला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। नगर कोतवाली पुलिस के मुताबिक, पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई कि सफरुद्दीन खान निवासी बिहार की दोस्ती पीड़िता के साथ इंस्टाग्राम में हुई थी। युवक ने पीड़िता को बताया कि वह सऊदी में नौकरी करता है। धीरे-धीरे दोनों में बातचीत होने लगी. दोनों स्नैपचौट से वीडियो कॉल पर भी बात करने लगे। आरोपी युवक ने पीड़िता से मिलने का दबाव बनाया और 22 दिसंबर 2024 को वह मिलने के लिए देहरादून आया। उसके बाद युवक पीड़िता को प्रिंस चौक स्थित एक होटल में लेकर गया जहां पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। इसी दौरान युवक ने चुपके से पीड़िता की आपत्तिजनक वीडियो और फोटो ले लिए। उसके बाद युवक ने पीड़िता को दोबारा न मिलने पर फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी। 13 फरवरी 2025 को युवक दोबारा से देहरादून पीड़िता से मिलने पहुंचा और कहा कि वह फोटो और वीडियो डिलीट कर देगा। उस दिन भी युवक ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया, लेकिन फोटो, वीडियो डिलीट नहीं किए।

सम्पादकीय

समाज की गरीबी दूर करना बेहद कठिन काम

मदर टेरेसा के अनुसार भूखे को भरपेट भोजन, वस्त्र और आवास देकर संतुष्ट किया जा सकता है लेकिन उपेक्षा, अकेलापन, असहाय जैसी भावनाओं से रूबरू होने वाले पश्चिम के संपन्न समाज की गरीबी दूर करना बेहद कठिन काम है।अकेलेपन और उपेक्षित होने की भावना को अत्यंत भयानक गरीबी मानने वाली मदर टेरेसा धर्म से कैथोलिक थीं और एक सच्ची ईसाई की तरह उन्होंने मनुष्य सेवा को ही प्रभु सेवा बना लिया था। उनका जन्म 26 अगस्त 1910 को मकदूनिया में हुआ और उनका परिवार अल्बानिया मूल का था। बचपन से ही एगनेस गोनक्शा बोजाशियो (मदर टेरेसा का मूल नाम) ईसाई मिशनरियों के जीवनगाथाओं से प्रभावित थीं। सपने बुनने वाली किशोरावस्था के दौर में मदर टेरेसा के मन में कुछ अलग ही सपना पल रहा था और 12 वर्ष की उम्र में ही उन्होंने अपना जीवन धर्म के नाम करने का संकल्प कर लिया। धर्म की राह पर चलने का उनका यह संकल्प आने वाले सालों में और सुदृढ़ होता गया कम उम्र में वह सिस्टर्स आफ लारेटो में मिशनरी के रूप में शामिल हो गईं। सिस्टर्स आफ लारेटो में आने के बाद मदर टेरेसा को अंग्रेजी भाषा सीखने के लिए आयरलैंड जाना पड़ा। मदर टेरेसा ने अपनी कर्म भूमि भारत में 1929 में कदम रखा और शुरू में वह दार्जीलिंग में बच्चों को पढ़ाने का काम करती रहीं। उन्होंने 24 मई 1931 को नन के रूप में धार्मिक शपथ ली। मदर टेरेसा ने कोलकाता के सेंट मैरी स्कूल में शिक्षण का काम किया। लेकिन उनका भावुक मन इस दौरान विद्यालय परिसर के बाहर हो रही घटनाओं को लेकर बुरी तरह पीड़ित होता रहा जिनमें 1943 का अकाल और 1946 के सांप्रदायिक दंगे शामिल हैं। पीड़ित मानवता की पुकार को मदर टेरेसा अधिक देर तक अनसुनी नहीं कर पाईं और आखिरकार 1948 से उन्होंने समाज सेवा और मलिन बस्तियों के बच्चों और बेसहारा लोगों की सेवा का काम शुरू कर दिया। इस संबंध में उन्होंने अपनी डायरी में लिखा. आपको केवल दुनिया से कहना भर है सब चीजें फिर से आपकी हो जायेंगी। प्रलोभन लगातार आवाज दे रहे थे, मुक्त निर्णय से मेरे प्रभु और आपके (मनुष्य प्रेम) प्यार के कारण मैं सिर्फ वही आकांक्षा करूंगी और वही काम करूंगी जो इस संबंध में परम पवित्र की इच्छा हो। मैं एक भी आंसू गिरने नहीं दूंगी। मदर टेरेसा को सात अक्तूबर 1950 को वेटिकन से मिशनरीज आफ चैरिटी नामक अपनी संगत शुरू करने की इजाजत मिल गई। कलकत्ता में मात्र 13 सदस्यों के साथ शुरू की गई इस संस्था के आज दुनिया भर में करीब दस लाख से अधिक कार्यकर्ता हैं।

ये हैं कौन ,कहाँ से आते हैं और इन्हें भेजता कौन है ?

तनवीर जाफ़री

भीष्म साहनी द्वारा लिखित लोकप्रिय उपन्यास %तमस% का प्रकाशन 1973 में हुआ था। साहित्य जगत में यह उपन्यास बहुत ही लोकप्रिय हुआ था। इसे 1975 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से भी नवाज़ा गया। प्रसिद्ध फ़िल्म निर्माता गोविंद निहलानी ने 1986 में इसी तमस उपन्यास पर आधारित एक दूरदर्शन धारावाहिक तथा एक फ़िल्म भी बनाई। इस में भारत पाक विभाजन के समय की कई दर्दनाक घटनाओं का वर्णन किया गया है। इसी में यह भी दिखाया गया था कि किस तरह साम्प्रदायिक दंगे भड़काने के लिये कोई मुसलमान ही किसी मस्जिद में सूअर का मांस फेंक देता है और कोई हिन्दू मंदिरों में गौमांस फेंककर साम्प्रदायिक तनाव के वातावरण में पेट्रोल छिड़कने जैसे काम करता है। गोया यह एक पुरानी व सधी हुई रणनीति है जोकि विघटनकारी मानसिकता रखने वाले राजनीतिज्ञों द्वारा साम्प्रदायिक दंगे भड़काने के लिये और उसके बाद उसका राजनैतिक लाभ उठाने के लिये अमल में लाई जाती है।

तो क्या 1947 जैसी साम्प्रदायिक मानसिकता रखने वाले षड़यंत्रकारी राजनीतिज्ञों द्वारा देश की स्वतंत्रता के लगभग आठ दशक बाद आज भी उसी तरह का घिनौना खेल खेला जा रहा है ? क्या आज भी देश के विभिन्न इलाक़ों में उसी तरह की शक्तियां सक्रिय हैं जो वेश बदलकर या लुका छुपी कर साम्प्रदायिक उन्माद फैलाने व दंगे भड़काने में अहम किरदार निभा रही हैं। गत कई वर्षों से इसतरह की ख़बरों की सोशल मीडिया व अख़बारों में बाढ़ सी आई हुई है। जबकि इतने गंभीर विषय पर देश का स्वयंभू मुख्यधारा का मीडिया ख़ामोश रहता है। मिसाल के तौर पर हमारे देश में गौकशी या गौमांस का मुद्दा बेहद संवेदनशील मुद्दा है। उत्तर प्रदेश व अन्य कई राज्यों में गौ तस्करी या गोहत्या के मामाले सामने आये। कई मामलों में आरोपियों को पीट पीट कर मार डाला गया। कई का पुलिस एनकाउंटर किया गया। ज़ाहिर है ऐसे मामलों में मुसलमान ही प्राय: निशाना बनते रहे हैं। परन्तु जब पुलिस उत्तर प्रदेश के बिजनौर में राहुल, सचिन और बृजपाल को कार में दो क्विंटल गोमांस के साथ गिरफ़्तार करती है तो इसे किस नज़रिये से देखा जाना चाहिये ? जब आगरा और मुरादाबाद में भी पुलिस गोहत्या के मामले में हिंदूवादी कार्यकर्ताओं को गिरफ़्तार करे तो क्या कहा जाये ? इसी तरह इसी वर्ष गत 12 मार्च को ग़ाज़ियाबाद के सिहानी गेट थाना क्षेत्र में कुछ लोगों ने गौशाला में मांस रखकर उसे गौमांस बताने और धार्मिक उन्माद फैलाने की कोशिश की। पुलिस को पता चला कि यह साज़िश पास की ही एक दूसरी गौशाला की संचालक छाया शर्मा और उसके साथियों ने रची थी। उनका मक़सद श्रीराम गौशाला पर क़ब्ज़ा जमाना और धार्मिक माहौल ख़राब करना था। छाया शर्मा के साथियों ने स्वयं बाज़ार से मांस ख़रीदकर गौशाला में रखा और फिर गौरक्षकों को सूचना देकर साम्प्रदायिकता भड़काने की कोशिश की। पुलिस ने इस मामले में योगेश चौधरी और शिवम को गिरफ़्तार किया था जिन्होंने बाद में यह स्वीकार किया था कि उन्होंने ही हिंडन विहार की किसी मांस की दुकान से मांस ख़रीदा और गौशाला में मांस रख कर ख़ुद ही फ़र्ज़ी नाम से गौरक्षकों को फ़ोन कर गौशाला में मांस होने की सूचना दी। बाद में इन्होंने अपना फ़ोन भी बंद कर दिया ताकि किसी को उन पर संदेह न हो। पूरे देश में अब तक ऐसे सैकड़ों मामले उजागर हो चुके हैं जिससे पता चलता है कि बड़े षड़यंत्र के तहत धर्म विशेष के लोगों के प्रति नफ़रत व ग़ुस्सा पैदा करने के लिये ऐसे कुकृत्य किये जाते हैं।

इसी तरह कई मामले पाकिस्तानी झंडों व पाकिस्तान ज़िंदाबाद के नारों को लेकर सामने आ चुके। अभी पिछले ही दिनों लुधियाना के थाना हैबोवाल क्षेत्र स्थित सिद्धपीठ महाबली संकटमोटन श्री हनुमान मंदिर के मुख्य द्वार पर मंगलवार को पाकिस्तान का झंडा लगा पाया गया। बताया जाता है कि यहाँ हर मंगलवार को 10 से 15 हज़ार तक श्रद्धालु मंदिर में दर्शनार्थ आते हैं। इसी मंदिर के चेयरमैन ऋषि जैन ने आरोपी की पहचान विक्रम आनंद व उसके अज्ञात साथी के रुप में की है। यह सब मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में देखा गया। पहलगाम हादसे के बाद देश का माहौल और भी ख़राब करने के उद्देश्य से पाकिस्तान का झंडा लगाया गया था। पुलिस ने इस मामले में केस भी दर्ज किया है। बिल्कुल इसी तरह की घटना पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना ज़िले के अकाईपुर रेलवे स्टेशन पर पिछले दिनों घटी। यहाँ रेलवे स्टेशन की दीवार पर कुछ लोगों ने पाकिस्तानी झंडा लगाया और %हिंदुस्तान मुर्दाबाद% जैसे भारत विरोधी नारे लिखे। निश्चित रूप से पहलगाम हमले के बाद अंजाम दी गयी इस हरकत का मक़सद भी क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव फैलाना व दंगे भड़काना ही था। परन्तु पुलिस ने इन मामले में जिन दो लोगों को गिरफ़्तार किया है वे %सनातनी एकता मंच% नामक संगठन के सदस्य निकले जिनके नाम चंदन मलाकार और प्रज्ञाजीत मंडल हैं। यह दोनों आरोपी एक राजनैतिक दल से भी जुड़े बताये गए हैं।

देश में इससे मिलती जुलती अनेक घटनायें यहाँ के साम्प्रदायिक सद्भाव को बिगड़ने के मक़सद से होती रही हैं। वेश बदलकर इस तरह की हरकतों को अंजाम देना निश्चित रूप से किसी साधारण व्यक्ति का काम तो हरगिज़ नहीं हो सकता। नि:संदेह इसतरह की साज़िशों के पीछे उसी मानसिकता के लोग हैं जिन्होंने पहलगाम नरसंहार अंजाम दिया और पर्यटकों को उनका धर्म पूछ कर मारा। जो सन्देश वह आतंकी देना चाहते थे कि भारत में साम्प्रदायिक माहौल ख़राब हो और हिन्दू मुस्लिम एक दूसरे की जान के दुश्मन बन जायें। बिल्कुल वही मक़सद इन %घरेलू आतंकियों% का भी है। हो सकता है ऐसे कुछ ही मामलों का भंडाफोड़ हो पाता हो और कई जगहों पर यह अपने नफ़रती एजेंडे को फैलाने व हिंसा भड़काने में कामयाब भी हो जाते हों। पंजाब से लेकर बंगाल तक और वह भी पहलगाम हमले के बाद देश में उपजे तनावपूर्ण माहौल के बीच इसतरह की घटनाओं को अंजाम दिया जाना, यह कोई साधारण घटना नहीं है। इसके पीछे बहुत बड़ा षड़यंत्र है। और वही ताक़तें इसके पीछे हैं जिन्हें इसतरह के माहौल से राजनैतिक लाभ हासिल होता है। लिहाज़ा इस बात का पता लगाना बहुत ज़रूरी है कि वेश बदलकर या लुकछुप कर देश में साम्प्रदायिकता की आग लगाने वाले ये दुष्ट लोग हैं कौन ,कहाँ से आते हैं और इन्हें भेजता कौन है।

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें
संपादक
दैनिक इंडिया वार्ता
प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग
हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)
मोबाईल न.- 7500581414,9359555222
Email: indiawarta@gmail.com

उत्तराखंड में मॉक ड्रिल की तैयारी, देहरादून में शाम 4 बजे बजेंगे 9 सायरन

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद युद्ध की आशंका को देखते हुए भारत सरकार 7 मई को देशभर के 244 सिविल डिफेंस जिलों में मॉक ड्रिल करने जा रही है। इसी कड़ी में देहरादून जिले में भी 7 मई की शाम 4 बजे मॉक ड्रिल की जाएगी। जिसकी तैयारियों में देहरादून जिला प्रशासन जुटा हुआ है।

देहरादून जिलाधिकारी सविन बंसल ने बताया कि सिविल डिफेंस जिलों में मॉक ड्रिल किए जाने को लेकर सभी विभागों के साथ बैठक की जा रही है। ऐसे में शाम को स्थिति और जगह के साथ ही रिसोर्सेस व टीम को एनालाइज कर लिया जाएगा। साथ ही बताया कि 7 मई को नगर निगम क्षेत्र में मॉक अभ्यास किया जाएगा। ताकि, एजेंसी, विभागों के अधिकारी अलर्ट रहें।

इसके साथ ही सिविल सोसायटी के लोग भी इसके प्रति जागरूक हो कि अगर ऐसी परिस्थिति बनती है और जब अलार्म, संदेश या कोई ट्रांसमिशन प्रशासन की तरफ से दिया जाता है तो उस दौरान उनका क्या करना है। इसकी जानकारी दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि देहरादून जिले में कुल 9 सायरन हैं, जिनका इस्तेमाल 7 मई की शाम 4 बजे मॉक अभ्यास के दौरान किया जाएगा। डीएम बंसल ने बताया कि जब उपयुक्त सिग्नल मिलते होते हैं तो अलार्म, सायरन या संदेश को कंसर्न एजेंसी को ट्रांसफर किया जाता है। ताकि, सिचुएशन को हैंडल किया जा सके। बता दें कि साल 1971 में हुए भारत पाक युद्ध से पहले आखिरी बार इस तरह का मॉक ड्रिल किया गया था। ऐसे में पाकिस्तान के साथ युद्ध की आशंका को देखते हुए भारत सरकार देश की जनता को इसके लिए तैयार करना चाहती है। जिसकी कवायद भारत सरकार के केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुरू कर दी है। सिविल डिफेंस वार्डन, वॉलिंटियर, होमगार्ड, एनसीसी कैडेट, एनएसएस स्वयंसेवी , स्काउट गाइड, कॉलेज, स्कूलों और छात्रों के साथ ही जिला प्रशासन तंत्र भी मॉक ड्रिल में शामिल होगी।

डीएम ने दिए नागरिक सुरक्षा के तैयारियों के सुदृढीकरण हेतु मॉक अभ्यास के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। जिलाधिकारी सविन बसंल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में सेना, अर्द्वसैनिक बल सिविल डिफेंस के वार्डन, वॉलिंटिसर्य एवं आईआरस सिस्टम से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक कर मॉक अभ्यास के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए। गृह मंत्रालय भारत सरकार एवं मुख्य सचिव , उत्तराखण्ड शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में नागरिक सुरक्षा के तैयारियों के सुदृढीकरण हेतु -07 मई 2025 को सायं 4 बजे जनपद देहरादून के अंतर्गत 05 स्थानों धारा पुलिस चौकी, ब्लाईंड स्कूल राजपूर रोड़, लख्खीबाग पुलिस स्टेशन, जिलाधिकारी परिसर क्लैक्ट्रेट देहरादून, आईएसबीटी, आराघर पुलिस चौकी, में सायरन / हूटर बजा कर लोगों का सतर्क किया जायेगा। हवाई हमले के दौरान सतर्कता बरतने एवं बचाव के लिए यह मॉक अभ्यास आयोजित किया जा रहा है। हवाई हमले के दौरान सतर्कता बरतने नागरिकों को सुरक्षा के दृष्टिगत आयोजित किया जा रहा है, इसका उद्देश्य सिविल डिफेंस सहित आईआरएस सिस्टम को सक्रिय रखना तथा संभावित आपदा बाहरी आक्रमण के दौरान किस प्रकार सुरक्षा के उपाय किये जाने हैं के लिए जनमानस/नागरिकों जागरूक करना है।

युवा फेस्ट में डीजे चेतस ने मचाया धमाल

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। उत्तरांचल विश्वविद्यालय के युवा फेस्ट के दूसरे दिन मशहूर बालीवुड डीजे चेतस ने धमाल मचाया। उनकी धुनों और सतरंगी छटाओं पर देर रात तक छात्र छात्राएं थिरकते हुए नज़र आये। विश्वविद्यालय के अध्यक्ष जितेन्द्र जोशी ने नामचीन डीजे चेतस का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और उन्हे स्मृति चिन्ह भेंट किया। उसके बाद शुरू हुआ नान स्टाप गानों का दौर। मैशअप और रिमिक्स की धमाकेदार प्रस्तुति के साथ ही श्रोताओं का जोश भी बढ़ता गया। ज्यों ही कमरिया कमरिया बजा तो छात्रों में मानो भूचाल आ गया। उसके बाद शेरशाह मेशअप ने माहौल बना दिया। सौदा खरा-खरा, कब कोई बात बिगड़ जाये, हाई हिल ते नाचे, अकड़ी पकड़ी, पंजाबी मुंडे, ये जवानी है दिवानी आदि एक के बाद एक नान स्टाप चले और श्रोता इतने जज्बाती हुए कि बल्लियों उछालने लगे। अति तब हुई जब चेतस ने लाइटे बंद करवाकर मोबाइल की लाइटें जलवा दी। ऐसा लगा मानो ग्राउण्ड में सैकड़ो जुगनू एक साथ जल रहे हो। इस अवसर पर मुख्य रूप से विश्वविद्यालय संचालन समिति की उपाध्यक्षा अनुराधा जोशी, उपाध्यक्षा अंकिता जोशी, कुलपति प्रो. धर्मबुद्धि, उपकुलपति प्रो. राजेश बहुगुणा, कार्यकारी निदेशक डा. अभिषेक जोशी सहित कई लोग मौजूद रहे।

नशे की लत ने पहुंचाया हवालात : दून पुलिस ने किया 5 लाख की चोरी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। कोतवाली नगर क्षेत्र में हाल ही में हुई एक सनसनीखेज नकबजनी की घटना का दून पुलिस ने सफलतापूर्वक अनावरण कर दिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस घटना को अंजाम देने वाले तीन अभियुक्तों को धर दबोचा है। चौंकाने वाली बात यह है कि गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी नशे के आदी हैं और उन्होंने अपनी नशे की पूर्ति के लिए ही चोरी की इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई लगभग 5 लाख रुपये कीमत की ज्वैलरी सहित शत प्रतिशत माल बरामद कर लिया है। घटनाक्रम के अनुसार, वादिनी रिचा त्रिपाठी ने कोतवाली नगर में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि जब वह अपने परिवार के साथ घर से बाहर गई थीं, तो अज्ञात चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात और दो मोबाइल फोन चुरा लिए। इस शिकायत के आधार पर कोतवाली नगर देहरादून में भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(ए) और 331(3) के तहत मामला दर्ज किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून ने घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक विशेष पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी हुए माल की बरामदगी के निर्देश दिए। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और संदिग्धों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई। प्राप्त हुलिए के आधार पर मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया,

जिसकी बदौलत पुलिस को अहम सुराग मिले। पुलिस टीम के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप, दिनांक 05 मई 2025 को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक बारात घर के पास से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान प्रवीन पुत्र चंदू साहनी (उम्र 20 वर्ष, निवासी बिहार), शीतल कुमार पुत्र जगदीश साहनी (उम्र 19 वर्ष, निवासी बिहार) और दीपक कुमार पुत्र मदन साहनी (उम्र 19 वर्ष, निवासी बिहार) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की गई लगभग 5 लाख रुपये की ज्वैलरी और दो सैमसंग कंपनी के मोबाइल फोन बरामद किए। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि वे तीनों नशे के आदी हैं और अपनी नशे की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्होंने इस चोरी की घटना को अंजाम दिया था। आरोपी चोरी किए गए माल को बेचने की फिराक में थे, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

इस सफल अनावरण में शामिल पुलिस टीम में निरीक्षक चंद्रभान सिंह अधिकारी (प्रभारी कोतवाली नगर), वरिष्ठ उपनिरीक्षक मनमोहन सिंह नेगी, उपनिरीक्षक आशीष कुमार (चौकी प्रभारी लक्खी बाग), उपनिरीक्षक जगदम्बा प्रसाद, कांस्टेबल महेश पुरी, कांस्टेबल संदीप कुमार, कांस्टेबल राजेश कुमार, कांस्टेबल विनोद सिंह, कांस्टेबल नरेंद्र और कांस्टेबल लोकेंद्र उनियाल शामिल थे। दून पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई और सफलता की हर तरफ सराहना हो रही है। यह घटना एक बार फिर नशे की बुराई और इसके कारण होने वाले अपराधों की ओर ध्यान आकर्षित करती है।

नारी वंदना का ढोंग रचने वाली भाजपाइयों की सोच महिला विरोधी : अखिलेश यादव

लखनऊ ,एंजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महिलाओं को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले ही भाजपा के पूर्व रूप का 'चाल, चरित्र और चेहरा' ऐसा नहीं था कि वह सामने आकर मुंह दिखा सके, क्योंकि वे ऐसे काम, वारदात और साजिश-षड्यंत्र करते थे, जो देशभक्ति, नैतिकता और सामाजिकता के पैमाने पर नकारात्मक और अपराधात्मक माने जाते थे। इसलिए इनकी गतिविधियां हमेशा भूमिगत रहकर मुखबिरी के रूप में ही दबे-छिपे चलती रहीं।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबी पोस्ट में लिखा, भाजपा ने कई बार रूप बदला, जिससे ये पहचाने न जा सकें। यही परंपरा आज भी जारी है। जब इनके समर्थक पीठ पीछे से कई अनाम नाम रखकर अपनी भूमिगत नकारात्मक भूमिका निभाते हैं और उनका विरोध करते हैं, जो इनकी सत्ता के लिए खतरा हैं।

उन्होंने कहा कि मूल रूप से भाजपाई और उनके संगी-साथी, वे लोग रहे हैं, जो सत्ता पर परंपरागत रूप से अपनों को काबिज करवाए रखना चाहते थे। इसलिए राजनीति और अर्थव्यवस्था पर जिन लोगों का सदियों से वर्चस्व रहा है, उन लोगों ने परदे के पीछे से भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों का हमेशा से 'बल-धन' और 'धन-बल' से साथ दिया। भाजपाइयों ने कभी नहीं चाहा कि कोई और वर्ग या तबका राजनीतिक और आर्थिक रूप से शक्तिशाली हो। इसके साथ ही भाजपाइयों ने कभी ये भी नहीं चाहा कि जनता के अधिकार की बात हो। इसलिए ये जनता को शक्ति देने वाले संविधान के भी विरोधी रहे।

सपा मुखिया ने कहा, भाजपाई 'जिसकी शक्ति, उसके अधिकार' की रूढ़िवादी सोच के लोग हैं, इसलिए सामाजिक क्षेत्र तक में ये शोषित, दमित, वंचित, पीड़ित के साथ-साथ महिलाओं को भी हमेशा हेय दृष्टि से देखते हैं। पुरुषवादी सामंती सोच आज भी नारी को मान, सम्मान या अभिव्यक्ति की आजादी नहीं देना चाहती है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपाइयों की यही पुरुषवादी घिसी-पिटी पुरानी सोच 'आधी आबादी' अर्थात महिलाओं का मान नहीं करती है, बल्कि बालिका, युवती या नारी के रूप में, जब भी वे कुछ कहना-करना चाहती हैं, तो भाजपाई और उनके संगी-साथी सदैव वो मौका ढूंढते हैं, जब वे स्त्रियों का पारिवारिक, सामाजिक, सार्वजनिक अपमान कर सकें और उनके चरित्र तक पर कीचड़ उछालकर उनका मानसिक उत्पीडन् करके, नारी के विरोध करने की शक्ति के मनोबल को तोड़ सकें। भारतीय नारी का इतिहास इन रूढ़िवादी भाजपाई और उनके संगी-साथियों को इस महापाप के लिए कभी माफ नहीं करेगा।

अखिलेश यादव ने कहा, पहलगाम के शहीद सैनिक की पत्नी द्वारा देशहित में 'शांति और सौहार्द' की अपील करने पर जिस तरह का दुर्व्यवहार और अपशब्द कहे जा रहे हैं, उससे हर महिला और सच्चा देशप्रेमी बहुत दुखी, आहत और शर्मिंदा है। अगर कोई साहसी महिला नैनीताल में भाईचारा बनाए रखने की कोशिश कर रही है या कोई गीत के माध्यम से भाजपाइयों का भंडाफोड़ कर रही है या कोई खोजी महिला पत्रकार कोई खुलासा कर रही है तो उसे अभद्रता व अनैतिकता की हर सीमा पार करके धमकाया जा रहा है, उसका लिखा दबाव डालकर हटवाया जा रहा है। भाजपा समर्थकों का ये कुकृत्य किसी भी माफी के योग्य नहीं है। 'निंदनीय' शब्द भी ऐसे भाजपाइयों और उनके नकारात्मक संगी-साथियों की निंदा करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

उन्होंने कहा कि 'नारी वंदना' का ढोंग रचने वाली भाजपाई सोच वस्तुतः नारी विरोधी है। जिन्होंने अपनों को खोया है, असीम दुख की इस घड़ी में उनके साथ खड़े होने का समय है, जो साहस दिखा रही हैं, ऐसी महिलाओं के समर्थन में खुलकर सामने आने का समय है। भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों की 'नारी विरोधी' सोच और संकीर्ण विचारधारा को उजागर करने का वक्त आ गया है। आज देश की हर बालिका, युवती का यही ऐलान है कि हम भाजपा का महिला विरोधी चेहरा सबके सामने लाएंगे। सच्चाई तो ये है कि जो नारी के मान, गरिमा व प्रतिष्ठा का सम्मान नहीं करता है वो और उसका व्यवहार न तो 'भारतीय' हो सकता है, न ही 'मानवीय'। भाजपा को अपने नाम में 'भारतीय' लगाने का नैतिक अधिकार भी नहीं है।

सपा मुखिया ने कहा कि हमारी पुरजोर अपील है कि महिला आयोग शाब्दिक औपचारिकता न निभाए और अगर कहीं है तो अपनी शक्ति दिखाए। कहीं है? कोई है।

पाकिस्तानी हैकर्स का साइबर युद्ध, भारतीय रक्षा वेबसाइट्स पर हमला कर संवेदनशील डेटा चुराने की कोशिश

नईदिल्ली,एंजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक और सैन्य तनाव लगातार बना हुआ है। इसी तनाव के बीच अब साइबर स्पेस में भी दोनों देशों के बीच टकराव देखने को मिल रहा है। पाकिस्तान स्थित कई साइबर समूहों ने भारत की रक्षा वेबसाइट्स को निशाना बनाकर बड़े साइबर हमले किए हैं। रक्षा प्रतिष्ठानों से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इन हैकर्स ने भारतीय सुरक्षा कर्मियों की संवेदनशील जानकारी, विशेष रूप से उनके लॉगिन पासवर्ड्स तक पहुंचने की कोशिश की है।

जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तानी हैकर्स ने मिलिट्री इंजीनियर सर्विस (रूश्वस्), मनोहर पार्रिकर इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस और रक्षा मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम आर्म्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड जैसी महत्वपूर्ण रक्षा संबंधी वेबसाइट्स और प्रतिष्ठानों को अपना निशाना बनाया है। 'पाकिस्तानी साइबर फोर्स' नामक एक सोशल मीडिया हैंडल, जिसे अब हटा दिया गया है, ने इन हमलों की जिम्मेदारी लेने का दावा किया था। इस समूह ने दावा किया था कि उन्होंने रूश्वस् और रूक्क- के संवेदनशील डेटा तक पहुंच बना ली है। समूह ने वेबसाइट को भी हैक करने की कोशिश की बात कही थी।

हैकर्स ने कथित तौर पर अपने दावों के समर्थन में कुछ तस्वीरें भी पोस्ट की थीं। इन तस्वीरों में ङ्कहरु के एक वेबपेज को विकृत करके दिखाया गया था, जिसमें एक भारतीय टैंक को बदलकर पाकिस्तानी टैंक दिखाया गया था। एक अन्य पोस्ट में भारतीय रक्षाकर्मियों के नामों की एक सूची भी साझा की गई थी। इन पोस्ट्स के साथ हैकर्स ने लिखा था, हैक किया गया है। आपकी सुरक्षा एक भ्रम है। एमईएस का डेटा हमारे पास है। इसे एक तरह का मनोवैज्ञानिक युद्ध और दुष्प्रचार अभियान माना जा रहा है।

रक्षा सूत्रों के अनुसार, पिछले कई दिनों से पाकिस्तान की तरफ से भारतीय साइबर स्पेस में हैकिंग की कोशिशें तेज हो गई हैं। हालांकि, भारत की साइबर सुरक्षा एजेंसियां और विशेषज्ञ पूरी तरह सतर्क हैं। वे किसी भी अतिरिक्त हमले का पता लगाने और उसे नाकाम करने के लिए साइबर स्पेस की सक्रिय रूप से निगरानी कर रहे हैं। पाकिस्तान से जुड़े होने की आशंका वाले ऐसे हमलों की पहचान की जा रही है और भविष्य में ऐसे साइबर खतरों से बचने के लिए सुरक्षा उपायों को लगातार बेहतर और मजबूत बनाया जा रहा है। यह साइबर युद्ध दोनों देशों के बीच मौजूदा तनाव का एक नया आयाम है।

उत्तर प्रदेश में सात जिलों के एसपी समेत 14 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

लखनऊ ,एंजेंसी। उत्तर प्रदेश में कई पुलिस अधिकारियों के तबादले किए गए। 14 आईपीएस अफसरों का ट्रांसफर किया गया। मोहित गुप्ता पुलिस महानिरीक्षक वाराणसी से सचिव गृह उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ बनाए गए हैं। इस तबादला सूची में महाकुंभ मेले के डीआईजी रहे वैभव कृष्ण का नाम भी शामिल है। वाराणसी जोन के आईजी मोहित गुप्ता को लखनऊ का गृह सचिव बनाया गया। वहीं, राज करण नैयर गोरखपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नियुक्त किए गए। पिछले कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश में अधिकारियों के ट्रांसफर किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर 14 आईपीएस अधिकारियों को इधर-उधर किया। साथ ही 7 जिलों के कप्तान भी बदल दिए। वैभव कृष्ण जिन्हें उपमहानिरीक्षक महाकुंभ मेला प्रयागराज की जिम्मेदारी सौंप गई थी, अब पुलिस उपमहानिरीक्षक वाराणसी परिक्षेत्र बनाए गए हैं। एसएसपी राज करण नैयर अयोध्या से गोरखपुर भेजे गए और गोरखपुर के एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर को अयोध्या की जिम्मेदारी मिली। सेनानायक 35वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ अनूप कुमार सिंह फतेहपुर के एसपी बनाए गए। कौशांबी के एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव इटावा के एसएसपी नियुक्त किए गए, जबकि उनके स्थान पर पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद राजेश कुमार द्वितीय को कौशांबी भेजा गया है। फतेहपुर के एसपी धवल जायसवाल को पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद की कमान मिली। गौरतलब है कि अप्रैल 2025 में भी प्रशासन और पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल हुआ था।

बड़ा हादसा : बारातियों से भरी स्कॉर्पियो कार और ट्रैक्टर में भीषण टक्कर, आठ लोगों की मौत

कटिहार ,एंजेंसी। बिहार में देर रात स्कॉर्पियो और ट्रैक्टर की टक्कर में आठ बारातियों की मौत हो गई। यह दुर्घटना कुर्सेला थानाक्षेत्र के एस एच 77 दियारा चांदपुर टिकापट्टी बजरंगबली मंदिर के पास हुई। इस दुर्घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को समेली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां पर डॉक्टर ने आठ लोगों को मृत घोषित कर दिया। इस दुर्घटना के बाद जिस घर में खुशी का माहौल था, वह मातम में बदल गया।

जानकारी के मुताबिक, करीब एक बजे सडक़ पर मक्के से लदी ट्रैक्टर को स्कॉर्पियो ने पीछे से टक्कर मार दी, जिसमें आठ लोगों की जान चली गई है। वहीं, दो लोग घायल बताए जा रहे हैं।

मोटरसाइकिल से पीछे से आ रहे बाराती ने बताया कि यह बारात पुर्णिया के बरहरा कोठी डिबरा बाजार से कुर्सेला के समीप कोसकीपुर गांव जा रही थी। दियारा चांदपुर पुल के समीप सडक़ पर रखे मक्का के ढेर पर स्कॉर्पियो का चक्का चढ़ जाने के कारण वह अनियंत्रित होकर सडक़ पर खड़ी मक्के से भरे ट्रैक्टर से टकरा गई। इसके बाद वाहन के परखच्चे उड़ गए।

बारात जा रहे परिजन ने बताया कि स्कॉर्पियो में सवार सभी लोग घायल हो गए। घायलों को स्थानीय पुलिस ने समेली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। डाक्टर ने आठ को मृत घोषित कर दिया। घायलों में दो की हालत गंभीर है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजन ने बताया कि जिस घर में खुशी का माहौल था, वह इस घटना के होने के बाद मातम में बदल गया है। जिस गाड़ी का एक्सीडेंट हुआ है, उसमें सभी सगे संबंधी और रिश्तेदार थे। पीड़ित परिजनों का कहना है कि सडक़ पर लोगों द्वारा मक्का सुखाने व मक्का लोड करने के कारण आए दिन सडक़ दुर्घटनाएं होने की बात सामने आती है। उनका आरोप है कि प्रशासनिक स्तर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण नेशनल हाईवे व स्टेट हाईवे पर आधी सडक़ों पर मक्का सुखाने के लिए पसार दिया जाता है, जिसका खामियाजा सडक़ पर यात्रा करने वाले यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है।

कल रात्रि गांजा तस्करों पर अल्मोड़ा पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन थाना देघाट और भतरौजखान में 06 तस्कर दबोचे गये

एसएसपी अल्मोड़ा द्वारा नशे विरुद्ध उठाये जा रहे सख्त कदमों से लगातार सलाखों के पीछे पहुंच रहे है तस्कर

देघाट में नेक्सॉन कार में 29.986 द्यद् गांजा भरकर ले जा रहे 03 तस्कर और भतरौजखान में इंडिका कार से 6.71 द्यद् गांजे के साथ 03 तस्कर दबोचे गये

9.16 लाख से अधिक कीमत का 36.696 द्यद् गांजा बरामद

देघाट में पकड़े गये तस्करों का सरगना हिमांशु मार्च में ही जेल से छूट कर आया था,एक तस्कर क्वस्ट नर्सिंग कर रहा था

इंडिया वार्ता ब्यूरो

अल्मोड़ा । श्री देवेन्द्र पींचा,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा द्वारा नशे के विरुद्ध जीरो टॉलरेन्स की नीति अपनाकर जनपद के समस्त थाना प्रभारियों एवं एएनटीएफ/एसओजी टीम को नशा तस्करों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के सख्त निर्देश पर लगातार नशा तस्करों की गिरफ्तारी की जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक श्री हरबन्स सिंह व सीओ रानीखेत श्री विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में कार्यवाही

1- थाना देघाट

थानाध्यक्ष देघाट श्री दिनेश नाथ महंत के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा दिनांक 05.05.2025 की रात्रि को सुरमोली तिराहे करीब 300 मीटर घुगुती रोड से टाटा नेक्सॉन कार न- DLv4 CJ 1385 से 03 अभियुक्तों के कब्जे से 03 कट्टों में कुल 29.986 किग्रा0 अवैध गांजा बरामद होने पर गिरफ्तार करते हुए थाना देघाट में धारा 08/20/60 NDPS अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया।वाहन को सीज किया

गया।

अभियुक्तों का विवरण-

1-कमल सिंह पुत्र राजेंद्र सिंह निवासी ग्राम सरकथल थाना बादली टांडा जनपद रामपुर,हाल उधम सिंह नगर से क्वस्ट नर्सिंग कर रहा है।

2-दीपक कुमार पुत्र कमल राम निवासी ग्राम चकर गाँव थाना सल्ट ज़िला अल्मोड़ा

3-हिमांशु रावत उर्फ मकाऊ पुत्र रतन सिंह निवासी ग्राम चित्रकूट कॉलोनी थाना रामनगर जिला नैनीताल को

पूछताछ-

अभियुक्तों ने बताया गया कि वह गांजा सराईखेत से लाकर रामनगर ले रहे थे। जिसे कम दामों खरीदकर रामनगर ले जा रहे थे,जहां अधिक दामों में बेचकर मुनाफा कमाने की फिराक में थे। गाँजे बारे में अन्य जानकारी की जा रही है।

तस्करों के सरगना हिमांशु रावत उर्फ़ मकाऊ का आपराधिक इतिहास

हिमांशु मार्च 2025 में ही जेल छूटा है,

1-FIR NO. 464/2021 धारा 8/20 NDPS ACT चालानी कोतवाली रामनगर जिला नैनीताल

2- FIR NO. 578/2021 धारा 323/341/504 चालानी कोतवाली रामनगर जिला नैनीताल

3-FIR NO. 37/23 धारा 3/25 शस्त्र अधि0 चालानी कोतवाली रामनगर जिला नैनीताल

4-FIR NO. 363/23 धारा 307/34 चालानी कोतवाली रामनगर जिला नैनीताल

5- FIR NO. 531/23 धारा 147/148/323/307/504/506 भादवि व 3/25 शस्त्र अधि0 चालानी कोतवाली रामनगर जिला नैनीताल।

बरामदगी- कुल 29.986 किग्रा0 अवैध गांजा

कीमत- 7,49,650 रुपये

देघाट पुलिस टीम

1. उ0नि0 श्री गंगा राम गोला
2. हे0कानि0 श्री सुरेंद्र कुमार
3. हे0कानि0 श्री महेंद्र कुमार
4. कानि0 श्री उपेन्द्र यादव
5. कानि0 श्री सुरेंद्र सिंह

2-थाना भतरौजखान

थानाध्यक्ष भतरौजखान श्री सुशील कुमार के नेतृत्व में दिनांक 05.05.2025 की रात्रि में भतरौजखान पुलिस टीम द्वारा बासोट भिकियासैंण रोड पर चेकिंग के दौरान इन्डिका कार P 62AE 6599 को चैक किया गया तो 03 अभियुक्तों के कब्जे से कुल वजन 6.71 किलोग्राम अवैध गांजा* बरामद होने पर गिरफ्तार करते हुए, थाना भतरौजखान में अभियुक्तों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत एफ0आई0आर0 पंजीकृत कर वाहन सीज किया गया।

अभियुक्तगणों का नाम व पता-

01-रिजवान कुरैशी उम्र 28 वर्ष पुत्र श्री जहीर अहमद निवासी ब्लाक रोड टंकी चौराहा के पास रामनगर जिला नैनीताल ।

02- मो0 अबुजर उम्र- 29 वर्ष पुत्र बिलाल निवासी ब्लाक रोड खताड़ी बड़ी मस्जिद के पास रामनगर जिला नैनीताल

03- मो0 परवेज उम्र 28 वर्ष पुत्र अब्दुल रब निवासी कार्बेट नगर कॉलोनी ग्राम पुछड़ी थाना रामनगर जिला नैनीताल ।

बरामदगी- 6.71 किलोग्राम अवैध गांजा

कीमत-1,67,750 रुपये

भतरौजखान पुलिस टीम-

01-प्रभारी चौकी भिकियासैंण श्री संजय जोशी

02- हे0कानि0 श्री श्रवण सैनी

03- कानि0 श्री अरविन्द चौधरी

04- कानि0 श्री संजीव कुमार

भतरौजखान पुलिस ने क्रिक रिस्पांस कर दुर्घटना में क्षतिग्रस्त कार में फंसे घायलों की जान बचाकर अनहोनी को टाला

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। आज दिनाँक 06-05-25 को एक ऑल्टो कार संख्या-च01-3314 जो भतरौजखान से भिकियासैंण को जा रही थी, समय लगभग 12ः00 बजे हिल व्यू रेस्टोरेंट भिकियासैंण रोड भतरौंजखान पर अनियंत्रित होकर रोड से 50 मीटर नीचे गिर गयी। जिसमें चालक समेत 03 लोग सवार थे। थानाध्यक्ष भतरौजखान श्री सुशील कुमार स्वंय पुलिस फोर्स को लेकर तत्काल मौके पर पहुँचकर वाहन में फसें घायलों को निकाल कर सरकारी वाहन से प्राथमिक चिकित्सालय भतरौजखान लाया गया। जहाँ पर चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक चिकित्सा के उपरान्त हायर सेंटर (रामनगर) रैफर कर दिया गया है। इस दौरान स्थानीय लोगों के द्वारा भी मदद की गयी।

घायलों का विवरण-

1- अजय उम्र- 30 वर्ष पुत्र सुरेन्दसिंह निवासी- भिकियासैंण अल्मोड़ा (गंभीर घायल/रैफर)।

2- भूपेन्द्र सिंह उम्र- 29 वर्ष पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी- उपरोक्त।

3- तुसार उम्र-29 वर्ष पुत्र स्व0 शिवेंद्र बिष्ट निवासी- उपरोक्त।

बिना सत्यापन दुकान किराए पर देना पड़ा गया भारी, कोतवाली अल्मोड़ा पुलिस ने की 5,000 का चालान

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। श्री देवेन्द्र पींचा, एसएसपी अल्मोड़ा द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को जनपद में वृहद सत्यापन अभियान चलाकर संदिग्धों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के सख्त निर्देश दिये गये है। जिस क्रम में दिनांक 05.05.2025 को अपर पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा श्री हरबन्स सिंह व सीओ अल्मोड़ा श्री गोपाल दत्त जोशी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अल्मोड़ा श्री योगेश चन्द्र उपाध्याय के नेतृत्व में प्रभारी चौकी धारानौला श्री आनन्द बल्लभ कश्मीरा द्वारा धारानौला क्षेत्र में सत्यापन अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान बिना सत्यापन दुकान किराए पर देने पर 01 मकान मालिक के विरुद्ध धारा 83 पुलिस अधिनियम के तहत कार्यवाही कर ?5,000 रुपये का नगद चालान किया गया।

स्कोर्पियो के शीशों में काली फिल्म लगाने वाले चालक पर कार्यवाही

थाना धौलछीना ने मौके पर ही काली फिल्म उतरवाकर दी सख्त हिदायत

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। श्री देवेन्द्र पींचा, एसएसपी अल्मोड़ा द्वारा समस्त प्रभारी निरीक्षकों/थाना प्रभारियों को वाहनों में अवैध लाल नीली बत्ती, हूटर, बहुरंगी लाइट, शीशों में काली फिल्म लगाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने की सख्त निर्देश दिए गए हैं।

इसी क्रम में दिनांक 05.05.2025 को अपर पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा श्री हरबन्स सिंह व सीओ अल्मोड़ा श्री गोपाल दत्त जोशी

के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष धौलछीना श्री विजय नेगी ने नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान एक स्कोर्पियो चालक द्वारा शीशों पर काली फिल्म लगायी हुई थी, जिसको मौके पर निकालकर चालक के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्यवाही की गई। साथ ही वाहन चालक को सख्त हिदायत दी कि इस तरह से शीशों पर काली फिल्म का प्रयोग न करें।

लमगड़ा पुलिस ने अवैध शराब के साथ 1 व्यक्ति को किया गिरफ्तार

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। दिनांक 05.05.2025 की रात्रि थानाध्यक्ष लमगड़ा श्री राहुल राठी के नेतृत्व में लमगड़ा पुलिस टीम द्वारा गस्त के दौरान मोरनौला तिराहे पर एक व्यक्ति रुद्र सिंह पुत्र दान सिंह निवासी ग्राम तिमल थाना पाटी जिला चम्पावत के कब्जे से 24 अध्धे मैकडवल व्हिस्की व 16 अध्धे रायल स्टेज व्हिस्की अवैध शराब (कुल 40 अध्धे) बरामद होने पर अभियुक्त को गिरफ्तार कर थाना लमगड़ा में आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

अजय देवगन के साथ ईशा गुप्ता करेंगी धमाल 4 में रोमांस

अजय देवगन फिल्म रेड 2 को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी यह फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। अजय इन दिनों अपनी इसी फिल्म के प्रचार-प्रसार में जुटे हैं, जिसमें उनकी जोड़ी अभिनेत्री वाणी कपूर के साथ बनी है, वहीं रितेश देशमुख फिल्म के विलेन हैं।

उधर अजय की फिल्म धमाल 4 भी सुर्खियां बटोर रही है, जिसमें अब ईशा गुप्ता की एंट्री हो गई है।

आइए जानें और अक्या कुछ जानकारी मिली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, धमाल की चौथी किस्त धमाल 4 में ईशा गुप्ता को एक अहम भूमिका के लिए कास्ट कर लिया गया है। वह इस फिल्म में अजय के साथ रोमांस करती दिखेंगी।

ईशा को टोटल धमाल में भी देखा गया था, लेकिन इसमें उन्होंने कैमियो किया था। अब वह अपनी यही भूमिका को दोहराती दिखेंगे, लेकिन इस बार उनके किरदार को बढ़ा दिया गया है।

फिल्म से संजीदा शेख और अंजली आनंद का नाम पहले ही जुड़ गया था।

टोटल धमाल के मुख्य कलाकार अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, संजय मिश्रा और विजय पाटकर अगली किस्त में भी बने रहेंगे और एक बार फिर अपनी कॉमेडी से दर्शकों को लोटपोट करते दिखेंगे।

इस बार फिल्म में रवि किशन और उपेंद्र लिमये की एंट्री हुई है। बीते मार्च में फिल्म की शूटिंग शुरू हुई थी और जून में शूट पूरा होने की उम्मीद है।

साल 2026 में यह फिल्म सिनेमाघरों का रुख करेगी।

ईशा और अजय ने पहली बार फिल्म बादशाहो में साथ काम किया था, जो साल 2017 में रिलीज हुई थी। मिलन लुथारिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में इलियाना डिक्रूज ने भी अहम भूमिका निभाई थी।

विद्युत जामवाल, इमरान हाशमी और संजय मिश्रा भी इसका हिस्सा थे।

90 करोड़ रुपये के बजट में बनी इन फिल्म ने दुनियाभर में 123 करोड़ रुपये कमाए थे।

फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी।

कॉमेडी फिल्म सीरीज धमाल साल 2007 में रिलीज हुई थी। संजय दत्त, रितेश देशमुख और अरशद वारसी इसका हिस्सा थे। फिल्म ने 50 करोड़ रुपये कमाए थे और इस पर दर्शकों ने खूब प्यार लुटाया था।

साल 2011 में फिल्म का सीक्वल डबल धमाल रिलीज हुआ। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रतिक्रिया मिली।

इसके बाद साल 2019 में फिल्म टोटल धमाल आई, जिसके हीरो अजय देवगन थे, जो धमाल के चौथे भाग धमाल 4 के साथ लौट रहे हैं।

साहित्यकारों ने समाज को दिशा देने का किया काम : हरीश

बागेश्वर (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। न्याय यात्रा के तहत पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत मंगलवार को गरुड़ पहुंचे। यहां आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने स्थानीय साहित्यकारों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि संकट के समय ही साहित्यकारों ने देश को दिशा देने का काम किया। इस मौके पर उन्होंने वरिष्ठ साहित्यकार गोपाल दत्त भट्ट की पुस्तक मैं फिर आऊंगा का भी विमोचन किया। यहां एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने स्थानीय साहित्यकारों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि साहित्यकार ही समाज को नई दिशा देते हैं। उन्होंने साहित्यकार मोहन जोशी, हरीश जोशी, सुरेंद्र वर्मा, जीवन सिंह दोसाद, चंद्रशेखर बड़सीला, ओमप्रकाश फुलारा, भुवन कैड़ा, प्रेमा भट्ट, आशा बुटौला, आशा जोशी, निर्मला गोस्वामी के अलावा खिलाड़ी कृतिका बोरा, हिमानी परिहार, भुवन बोरा, सुंदर नेगी को सम्मानित किया। इस दौरान पूर्व दर्जा राज्यमंत्री गोपाल दत्त भट्ट, पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा, पूर्व विधायक ललित फर्सवाण, पूर्व जिपं अध्यक्ष हरीश ऐठानी, देवेंद्र परिहार, आनंद रावत, नगर पंचायत अध्यक्ष भावना वर्मा, भरत फर्सवाण, राजेंद्र टंगड़िया, कांग्रेस जिलाध्यक्ष भगत डसीला, बबलू नेगी, गिरीश कोरंगा, लक्ष्मण आर्या, आदि उपस्थित थे।

टोकन व्यवस्था के जरिए बाबा के दर्शन से श्रद्धालु संतुष्ट

इस बार पैदल मार्ग पर रैन शेल्टर बढ़ाए जाने से मिल रही है राहत

केदारनाथ, इंडिया वार्ता ब्यूरो। विगत 2 मई शुक्रवार से श्री केदारनाथ धाम की यात्रा शुरू हो चुकी हैं, गत वर्ष की तरह इस बार भी यात्रा में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ रहा है। बाबा केदार के दर्शनों के लिए लगने वाली भीड़ की सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर प्रशासन ने इस साल टोकन प्रणाली लागू की है। जिससे सभी यात्रियों को आसानी से बाबा के दर्शन हो रहे हैं।

देहरादून से केदारनाथ आए शुभ कुमार ने कहा कि टोकन व्यवस्था से भीड़ काबू में रही जिससे वे आसानी से दर्शन कर पाए। छत्तीसगढ़ से आई डॉ. दीपिका ने बताया कि टोकन व्यवस्था होने से उन्हें सुबह से लाइन में नहीं लगना पड़ा और निर्धारित टाइम स्लॉट पर वे आसानी से दर्शन कर पाए। गाजियाबाद और मुरादाबाद से आए श्रद्दालुओं ने भी टोकन व्यवस्था पर प्रशासन की तारीफ की।

जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ने कहा कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन बाबा केदारनाथ के दर्शनों के देश दुनिया से पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का यात्रा अनुभव सुखद एवं सुगम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इसी क्रम में मंदिर परिसर के प्रवेश से पहले ही हेलीपैड के समीप टोकन सिस्टम लगाया गया है, ताकि दर्शनों से पहले ही यात्री को उसके नंबर की जानकारी मिल जाए, इस बीच यात्री केदारपुरी घूम सकेंगे।

पैदल मार्ग पर रैन शेल्टर से राहत

इस बार प्रशासन ने गौरीकुंड से शुरु होने वाले पैदल मार्ग पर जगह जगह रैन शेल्टर बनाए हैं। जिससे यात्रियों को बारिश से राहत मिल रही है। इसी तरह

केदारपुरी में श्रद्धालुओं को अब फ्री वाईफाई की सुविधा भी उपलब्ध हो गई है।

भक्तों के हृदय में भक्ति और दिव्य उद्देश्य की लौ को किया प्रज्वलित

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। । दिव्य गुरु आशुतोष महाराज की असीम अनुकम्पा से दिव्य धाम आश्रम, दिल्ली में आयोजित मासिक आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने ईश्वरीय कृपा का अनुभव करते हुए आध्यात्मिक ऊर्जा से स्वयं को अभिसिंचित किया। इस कार्यक्रम ने साधकों को भक्ति मार्ग पर प्रेरित किया और आत्मिक चेतना को जागृत करने का एक सशक्त माध्यम भी बना। विभिन्न क्षेत्रों से आए हज़ारों भक्त, आत्मिक बल, दिव्य ज्ञान प्राप्त करने और अपने आत्म-स्वरूप से गहरा नाता हेतु इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम का शुभारम्भ ब्रह्मज्ञानी वेदपाठी साधकों द्वारा उच्चारित मधुर एवं दिव्य वेद मंत्रों से हुआ, जिससे वातावरण में पवित्रता और दिव्यता का संचार हुआ। इन स्पंदित हुई शांतिमय तरंगों ने ऐसा वातावरण निर्मित किया जहाँ प्रस्तुत किए गए विचारों को उपस्थित हृदयों ने सुना और अंतरात्मा ने आत्मसात किया।

इस कार्यक्रम में प्रचारक शिष्यों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रखर आध्यात्मिक विचार केवल प्रवचन नहीं थे, अपितु गुरु की इच्छा की प्रतिध्वनि थे जिनको इन प्रचारक शिष्यों ने स्वयं के जीवन में अनुभव किया है और जो भक्तों को धर्ममय आचरण, निष्काम सेवा और आत्म-ज्ञान के सनातन मार्ग पर अडिगता प्रदान करते हैं।

प्रवक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि आज का मानव केवल बाह्य संघर्षों से नहीं, बल्कि आंतरिक शांति और स्पष्टता के अभाव से भी जूझ रहा है। मानवता उस दौड़ में भाग रही है जिसका कोई अंत नहीं है और विडम्बनावश भौतिकता में शांति खोजते-खोजते सत्य से और दूर हो रही है। ऐसे समय में केवल एक सच्चा गुरु ही साधक को उस अनंत आनंद के स्रोत, अंतर्स्थित परमात्मा की ओर ले जा सकता है। महाभारत का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि कैसे महाबली अर्जुन भी युद्धभूमि में भ्रम और थकान से ग्रस्त थे, जब तक कि श्रीकृष्ण ने उन्हें ब्रह्मज्ञान प्रदान कर दिव्य दृष्टि नहीं दी। वही रूपांतरण प्रत्येक आत्मा के लिए आज भी संभव है, जहाँ दिव्य गुरु आशुतोष महाराज जी की कृपा से, सच्चे जिज्ञासुओं को ब्रह्मज्ञान प्रदान किया जाता है।

मुख्यमंत्री ने किया 5 मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारम्भ

जनपद हरिद्वार, ऊधम सिंह नगर तथा टिहरी के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में मिलेगी सेवा

एक यूनिट महिलाओं की देखभाल के लिये समर्पित

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए, पांच पूर्ण रूप से सुसज्जित मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) की शुरूआत की गई है। इसका उद्देश्य राज्य के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इस योजना का शुभारम्भ मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास परिसर में किया गया। उन्होंने इस पहल को ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को दूर करने हेतु प्रभावी प्रयास बताया। सरकार के 'स्वस्थ उत्तराखंड, समृद्ध उत्तराखंड' मिशन के अनुरूप सप्ताह में छह दिन संचालित होने वाले ये एमएमयू आवश्यक निदान और उपचार सुविधाओं से सुसज्जित हैं। राज्य के दूरदराज के क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में ये 5 एमएमयू निश्चित रूप से मददगार होंगे।

इन एमएमयू का संचालन सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) द्वारा किया जाएगा और आरईसी (ग्रामीण विद्युतीकरण निगम) द्वारा अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के हिस्से के रूप में वित्त पोषित किया जाएगा। प्रारम्भ में ये इकाइयां हरिद्वार में 2, उधम सिंह नगर में 2 और टिहरी गढ़वाल में 1 इकाई तीन साल की अवधि के लिए संचालित होंगी।

इन पांच एमएमयू में से एक समर्पित महिला मोबाइल मेडिकल यूनिट भी है, जिसमें पूर्णत: महिला स्वास्थ्य देखभाल करने वाले कार्मिक सक्रिय हैं। वंचित क्षेत्रों में महिलाओं की विशिष्ट स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसे विशेष रूप से तैयार किया गया है।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार, निदेशक स्वास्थ्य डॉ. सुनीता टम्टा, डी. एस. एन. मूर्ति, एम. डी. धनुष हेल्थ केयर, श्री सुभाष चन्द्र उप महाप्रबंधक पी. एन. बी., एम. डी. पेनेसिया हॉस्पिटल देहरादून श्री अश्विनी, सीएससी स्टेट हेड श्री दीपक आदि उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री ने किए विभिन्न...

आयोग के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रतियोगी परीक्षाओं को निष्पक्षता व ईमानदारी के साथ संपन्न कराने के लिए कड़े प्राविधान किए हैं। पेपर लीक की समस्या को जड़ से समाप्त करने का काम किया गया है। जिसके चलते युवाओं को उनकी योग्यता व प्रतिभा का पूरा सम्मान मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने चयनित अभ्यर्थियों की प्रतिभा व परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस सफलता में उनके अभिभावकों व गुरूजनों के योगदान व मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि अध्यापन अधिक जिम्मेदारी का कार्य है, जिसके माध्यम से हम युवाओं का मार्गदर्शन कर उनका भविष्य ही नहीं गढते हैं बल्कि समाज के निर्माण में भी योगदान करते हैं। नवनियुक्त अभ्यर्थियों को इस चुनौतीपूर्ण दायित्व को पूरी ईमानदारी व समर्पण से निभाने के लिए प्रतिबद्धता से जुटना होगा। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी नौकरी ही नहीं बल्कि मानवता की सेवा करने का महान अवसर है। लिहाजा आपके कार्य व्यवहार में हमेशा सेवा की भावना परिलक्षित हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड में स्वास्थ्य सुविधाओं को सशक्त बनाने के लिए ऐतिहासिक काम हो रहे हैं। इसके लिए विभिन्न स्तरों पर अवस्थापना सुविधाओं को मजबूत करने, नए अस्पतालों का निर्माण व आधुनिकीकरण करने के साथ ही हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने और चिकित्सा सुविधाओं को बढाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शिक्षा व्यवस्था के सुदृढीकरण के लिए भी ठोस कार्य हो रहे हैं। देश में सबसे पहले उत्तराखंड में नई शिक्षा नीति को लागू करने का ऐतिहसिक काम किया गया है। प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं को बढाया जा रहा है और गुणवत्तापरक शिक्षा व्यवस्था के लिए सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित किये जा रहे हैं। प्राध्यापकों के खाली पदों को तेजी से भरा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने प्राध्यापकों को छात्रों को अच्छी शिक्षा देने के साथ ही उनमें समाज व देश के प्रति जिम्मेदारी का भाव मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि युवाओं को उद्यमिता एवं स्टार्टअप के लिए तैयार किया जाय। उत्तराखंड में प्रतिभा और कौशल से परिपूर्ण नवाचार करने वाले युवाओं की भरमार है। उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु सरकार अनेक कदम उठा रही है। देवभूमि उद्यमिता योजना के जरिए युवाओं को उद्यमी बनाने के लिए सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। मेधावी छात्रों को प्रतिमाह छात्रवृत्ति एवं शोध को बढावा देने के लिए रू. 18 लाख तक का शोध अनुदान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने राज्य को हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ाने के लिए सभी लोगों को सामूहिक रूप से जुटे रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड में उच्च शिक्षा विभाग में फैकल्टी के सभी पदों को भर लिया गया है। ऐसा करने वाला उत्तराखंड देश का अग्रणी राज्य हो गया है। इसी तरह मेडिकल कॉलेजों में नियमित फैकल्टी भरने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेडिकल कॉलेजों में 70 प्रतिशत पद भरे जा चुके हैं और आगामी तीन माह में फैकल्टी के 85 प्रतिशत से अधिक पद भर जाएंगे। शीघ्र ही मेडिकल कॉलेजों के लिए 400 एसोसिएट प्रोफेसर्स की नियुक्ति प्रक्रिया भी पूरी हो जाएगी।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री गणेश जोशी, विधायक श्री खजान दास एवं श्रीमती सविता कपूर, उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र भसीन एवं डॉ. जयपाल सिंह, सचिव उच्च शिक्षा डॉ. रंजीत सिन्हा, सचिव चिकित्सा शिक्षा डा. आर. राजेश कुमार भी उपस्थित रहे।

ब्रह्मकमल चौक रातोंरात ध्वस्त, यातायात सुगम बनाने की दिशा में बड़ा कदम

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। जन दुर्घटनाओं और यातायात जाम का कारण बन रहे ब्रह्मकमल चौक को जिला प्रशासन ने रातोंरात ध्वस्त कर दिया है। जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय के बाद यह कार्रवाई की गई है।

ग्रेट वैल्यू चौक पर ब्रह्मकमल की बड़ी रोटरी यातायात के लिए एक बड़ी बाधा बन रही थी, जिससे अक्सर दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता था। सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इसे पूरी तरह से हटा दिया है। यह कदम जिला प्रशासन द्वारा यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने की दिशा में उठाए जा रहे कई प्रयासों का हिस्सा है। हाल ही में पार्किंग व्यवस्था को सुधारा गया है, आईएसबीटी फ्लाईओवर की मरम्मत अंतिम चरण में है (जिसका लोकार्पण जल्द ही मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा), और शहर के विभिन्न चौराहों का सुधारीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य तेजी से चल रहा है, जिसे 15 जून से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में स्पीड ब्रेकर लगाए गए हैं, राजपुर रोड पर यातायात को सुचारू बनाने के लिए डिवाइडर बनाए जा रहे हैं, और शहर के 11 व्यस्ततम चौराहों पर नए ट्रैफिक लाइट लगाने का काम भी प्रगति पर है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने यातायात पुलिस को चौराहों पर जेबरा क्रॉसिंग सुनिश्चित करने और लेफ्ट टर्न को फ्री करने के भी निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि जिला प्रशासन देहरादून में एक सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में हर संभव कदम उठाया जाएगा। ब्रह्मकमल चौक का रातोंरात हटाया जाना इसी प्रतिबद्धता का एक स्पष्ट उदाहरण है। यह कार्रवाई दिखाती है कि जनहित में जिला प्रशासन अपनी शक्तियों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में संकोच नहीं करेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा

संपादकः संदीप शर्मा

सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास

संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी

अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की

अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की

ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M- 7500471414,7500581414

नोट& समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

स्कूलों में बच्चों को पाठ्यचर्या में श्रीमद् भगवत गीता का अध्ययन भी कराया जाए- मुख्यमंत्री

शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों के लिए अगले 10 सालों के स्पष्ट प्लान पर किया जाए कार्य

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्कूलों में बच्चों को पाठ्यचर्या में श्रीमद् भगवत गीता का अध्ययन भी कराया जाए। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार का अगले 10 सालों के स्पष्ट प्लान पर कार्य किया जाए। शिक्षा विभाग द्वारा दिसम्बर 2026 तक शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों का रजतोत्सव कलेण्डर बनाया जाए। बरसात शुरू होने से पहले राज्य के सभी स्कूलों का निरीक्षण किया जाए और स्कूल के रास्तों और पुलों की स्थिति के साथ ही अन्य मूलभूत सुविधाओं को भी देखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कलस्टर विद्यालयों में आवसीय हॉस्टल की सुविधा के लिए अन्य राज्यों की बैस्ट प्रैक्टिस का अध्ययन कर प्रस्ताव बनाया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि बच्चों को आवसीय हॉस्टल में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों। पहले चरण में प्रत्येक जनपद

में एक-एक आवासीय हॉस्टल बनाया जाए। 559 कलस्टर विद्यालयों के 15 किमी के अन्तर्गत छात्र-छात्राओं की परिवहन व्यवस्था के लिए जल्द प्रस्ताव बनाने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाए कि हर साल बच्चों को पाठ्य-पुस्तकें समय पर मिले। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में ट्रासंफर की प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता रहे, इसके लिए सभी पहलुओं का गहनता से अध्ययन कर प्रस्ताव बनाया जाए। जनपद, मण्डल और राज्य स्तरीय कैडर में सभी पहलुओं का ध्यान रखा जाए। स्कूलों में एनसीसी और एन.एस.एस को बढ़ावा दिया जाए, जिन स्कूलों में अभी इनकी सुविधा नहीं हैं, चरणबद्ध तरीके से स्कूलों का चयन किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शिक्षा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए राज्य के औद्योगिक प्रतिष्ठानों से सी.एस.आर फण्ड के तहत सहयोग के लिए अनुरोध भी किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीर्ण-शीर्ण विद्यालयों में मरम्मत के कार्यों में तेजी लाई जाए। स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। बच्चों की सुरक्षा से सबंधित किसी भी मामले में लापरवाई करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी। राजीव गांधी नवोदय विद्यालयों में छात्रों की क्षमता के अनुसार पूर्ण उपलब्धता हो, इसके लिए प्रतीक्षा सूची भी बनाई जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए आवश्यक संसाधनों में कोई कमी नहीं होने दी जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का राज्य में प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में और तेजी से कार्य किये जाएं। बच्चों को नैतिक शिक्षा, पर्यावरणीय शिक्षा, राज्य की सांस्कृतिक विरासत, महानुभावों का उल्लेख, क्षेत्रीय आवश्यकताओं के हिसाब से कौशल विकास, स्वास्थ्य शिक्षा, लोककथा, लोक साहित्य, संगीत और कला को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए।

बैठक में शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, सचिव शिक्षा श्री रविनाथ रमन, अपर सचिव श्रीमती रंजना, महानिदेशक माध्यमिक शिक्षा सुश्री झरना कमठान, अपर सचिव बेसिक शिक्षा एम.एम. सेमवाल, माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. मुकुल कुमार सती, बेसिक शिक्षा निदेशक श्री अजय नौडियाल अरौर शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वक्फ अधिनियम संशोधन से ज़रूरतमंदों को मिलेगा लाभ : महेंद्र भट्ट

इंडिया वार्ता ब्यूरो

रुद्रप्रयाग । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने वक्फ अधिनियम में किए गए संशोधनों को ज़रूरतमंदों के लिए लाभकारी बताया है। रुद्रप्रयाग में पार्टी कार्यालय में आयोजित %वक्फ सुधार जन जागरण अभियान% के तहत अल्पसंख्यक प्रबुद्ध संवाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए उन्होंने कहा कि इन संशोधनों का मुख्य उद्देश्य वक्फ प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। भट्ट ने स्पष्ट किया कि अतीत में मनमाने ढंग से संपत्तियों का अधिग्रहण किया जाता था, जो अब संभव नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह संशोधन सभी नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखेगा। भाजपा सरकार की नीति %सबका साथ, सबका विकास% पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार सभी धर्मों और समुदायों को साथ लेकर देश और प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रदेश अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि वक्फ बोर्ड अधिनियम में संशोधन का उद्देश्य किसी भी धर्म या व्यक्ति की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं है, बल्कि गरीब मुस्लिम समुदाय को लाभान्वित करना है। उन्होंने बताया कि नए संशोधनों के तहत अब किसी भी संपत्ति को मनमाने ढंग से वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया जा सकेगा, जिससे ज़रूरतमंदों को उनका हक मिल सकेगा।

इस अवसर पर पशुपालन कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष सुरेंद्र मोघा ने कहा कि वक्फ अधिनियम में संशोधन समय की आवश्यकता थी, जिसे केंद्र सरकार ने पूरा किया है। केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र की विधायक आशा नौटियाल ने भी इसी विचार को दोहराते हुए कहा कि इस संशोधन का लक्ष्य गरीब मुस्लिम समाज को फायदा पहुंचाना है और अब किसी भी संपत्ति को मनमाने तरीके से वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया जा सकेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि संशोधन विधेयक के लागू होने से गरीबों को उनका अधिकार मिलेगा।

जिला अध्यक्ष भारत भूषण भट्ट ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया और कार्यकर्ताओं से अल्पसंख्यक समुदाय के बीच जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के बाद, प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कार्यकर्ताओं के साथ रुद्रप्रयाग मुख्यालय के अपर बाजार में वक्फ बोर्ड के सदस्य अब्दुल रहीम और अन्य मुस्लिम बुद्धिजीवियों से जनसंपर्क किया और संवाद स्थापित किया।

कार्यक्रम का संचालन सहसंयोजक ओम प्रकाश बहुगुणा ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष महावीर सिंह पंवार, निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह, अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष मुकीम अहमद, पूर्व जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा सकूर अहमद, वक्फ बोर्ड के जिला सदस्य अब्दुल रहीम, पूर्व जिला अध्यक्ष वाचस्पति सेमवाल, दिनेश उनियाल, शकुंतला जगवान, सरला खंडूरी, जिला मीडिया प्रभारी सतेन्द्र बर्त्वाल, समीन उस्मानी, मुस्तकीन अहमद, अब्दुल रहमान सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक

दैनिक इंडिया वार्ता

कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।

दूरभाष: 7500581414,9359555222

बीकेटीसी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया - धामों की पौराणिकता, परंपरा, पहचान पर रहेगा फोकस : द्विवेदी

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। श्रीबदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। बीकेटीसी के कैनाल रोड स्थित कार्यालय में पदभार ग्रहण के दौरान अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि धामों की पौराणिकता, परंपरा, पहचान को बचाए रखने पर विशेष फोकस रहेगा। नवनियुक्त अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी के साथ उपाध्यक्ष विजय कपरुवाण ने कार्यभार संभाला। उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती 12 मई को जोशीमठ में कार्यभार ग्रहण करेंगे। कार्यभार ग्रहण करने के दौरान हवन यज्ञ, पूजा अर्चना की। कार्यभार ग्रहण करने के बाद बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने बीकेटीसी के कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने सीएम पुष्कर सिंह धामी, पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज का आभार जताया। कहा कि उन्हें बीकेटीसी अध्यक्ष के रूप में देवभूमि की सेवा का मौका मिला है। उत्तराखंड में पर्यटन, तीर्थाटन का बेहतर प्रबंधन उनकी प्राथमिकता है। कहा कि धामों की पौराणिक महत्ता, परंपरा और पहचान पर फोकस किया जाएगा। कहा कि हमारे तीर्थस्थल पौराणिक हैं। सदियों से आध्यात्मिक ऊर्जा के स्रोत हैं। हमारी परंपराओं के वाहक साथ ही हमारी पहचान भी हैं। इस अवसर पर श्रेयांस द्विवेदी, अजय, बदरीनाथ धाम प्रभारी अधिकारी विपिन तिवारी, प्रमोद नौटियाल, डा. हरीश गौड़, वीरेंद्र सेमवाल आदि मौजूद रहे। निर्बाध गति से चल रही है यात्रा द्विवेदी ने कहा कि कपाट खुलने के बाद श्री बदरीनाथ धाम की यात्रा निर्बाध गति से चल रही है। बड़ी संख्या में तीर्थयात्री दर्शन को पहुंच रहे हैं। तीर्थयात्रियों को मंदिरों में सरल, सुगम, दर्शन, सुरक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, संचार, मौसम, आपदा प्रबंधन, यात्रा व्यवस्थाएं पूरी तरह चाक चौबंद की गई हैं। मंदिर समिति और प्रशासन के तालमेल से यात्रा सरल सुगम गति से चल रही है।